भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1908

गुरुवार, 16 मार्च, 2023/25 फाल्गुन, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु राज्य में चिन्हित की गई मूर्त और अमूर्त आस्तियां

1908. श्री के.आर.एन राजेश कुमारः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि मंत्रालय देश भर में मूर्त और अमूर्त आस्तियों को चिन्हित कर रहा है और उन आस्तियों को महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों/कार्यक्रमों के रूप में प्रचार कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में चिन्हित की गई आस्तियों का ब्यौरा क्या है और उन आस्तियों का प्रचार करने के लिए राज्य को आवंटित निधि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय देश भर में स्थित मूर्त एवं अमूर्त आस्तियों को चिन्हित नहीं करता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय सदैव भारत के पर्यटन गंतव्यों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। यह देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन हेतु इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से घरेलू और वैश्विक बाजारों में संवर्धन अभियान चलाता है। अन्य प्रचार कार्य भी आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) के परामर्श से अभिज्ञात स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना विकास हेतु 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन' (प्रशाद) और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्थलों को चिन्हित करना मुख्यतः राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का विशेषाधिकार है। परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन, पूर्व में जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है। उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

*****

अनुबंध

तमिलनाडु राज्य में चिन्हित की गई मूर्त और अमूर्त आस्तियां के संबंध में दिनांक 16.03.2023 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 1908 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के तहत तमिलनाडु राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

परिपथ का नाम	परियोजनाएं	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
तटीय परिपथ	(चेन्नई - मम्माल्लापुरम - रामेश्वरम - मनपाडु - कन्याकुमारी) का विकास	2016-17	73.13	69.48

प्रशाद योजना के तहत तमिलनाडु में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

परियोजनाओं के नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99
वेलांकन्नी का विकास	2016-17	4.86	4.86

पिछले 3 वर्षों के दौरान मेलों और महोत्सवों के संवर्धन के लिए तमिलनाडु में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(लाख रु. में)

स्वीकृति का वर्ष	महोत्सव का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
2019-20	भारतीय नृत्य महोत्सव	25.00	25.00
	कुमारी महोत्सव	10.00	10.00
	पर्यटन सांस्कृतिक महोत्सव	15.00	15.00
2021-22	मामल्लापुरम में भारतीय नृत्य महोत्सव	25.00	25.00

*****